राजस्थान के वरिष्ठ भूगोलवेता प्रो. एच.एस. शर्मा को राष्ट्रीय प्रतिष्ठित भूगोल रत्न अवार्ड 2021

जयपुर– 29 अक्टूबर। राजस्थान मे भूगोल विषय मे अपने विशिष्ट अनुसंधानो के कारण अन्तर्राष्ट्रीय पहचान बनाने वाले राजस्थान विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एच. एस शर्मा को राष्ट्रीय भूगोल परिषद् द्वारा भूगोल विषय मे राष्ट्रीय स्तर का सबसे प्रतिष्ठित भूगोल रत्न अवार्ड – 2021 देश भर के भूगोलवेताओं की उपस्थिति मे आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय कार्यक्रम मे वाराणसी में प्रदान किया गया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. एच.एस. शर्मा द्वारा अपना संपूर्ण शैक्षणिक जीवन भूगोल (Geography) विषय मे विशिष्ट अनुसंधानो के कारण राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रहा है। प्रो. शर्मा द्वारा नेचर (1973), जर्नल ऑफ जियोमॉफॉर्मोलोजी, जर्मनी (1989), इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन इकोलॉजी काउंसलिंग जैसी भूगोल विषय की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिकाओं मे 100 से अधिक प्रकाशित शोध लेख भूगोल विषय से जुडे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न नवीन शोध कार्यो में विशिष्ट भूमिका अदा कर चुके हैं। प्रो. एच.एस. शर्मा द्वारा भूगोल विषय मे लिखी गई उनकी पुस्तकें पूरे राष्ट्र मे स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों के आकर्षण का बिन्दु रही हैं। इसके साथ ही प्रो. शर्मा द्वारा 16 संपादित पुस्तकें व 03 दर्जन से अधिक पीएच.डी का पर्यवेक्षण किया गया है।

प्रो. एच. एस. शर्मा को नेशनल ऐसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स इण्डिया, द्वारा राजस्थान के बांरां जिले के रामगढ स्ट्रक्चर मे बीहडों की उत्पत्ति व उससे जुडे विभिन्न आयामो पर उनके द्वारा किए गए विशिष्ट शोध के कारण उन्हे भूगोल, वानस्पति पुरूस्कार से भी सम्मानित किया गया है। प्रो. शर्मा यू.के., जर्मनी, नॉर्वे, कनाडा, अमेरिका, मलेशिया, सैशल्श, एवं नीदरलैण्ड में विभिन्न एक्सचैंज प्रोग्राम के तहत विशिष्ट भूगोलवेता के रूप में भाग ले चुके हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव जैन ने इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए प्रो. एच.एस. शर्मा को बधाई दी है।

(डॉ. भूपेन्द्र सिंह शेखावत)
जनसम्पर्क अधिकारी